

सुविधा • परचा आउट ऑफ सिलेबस आए या रिजल्ट विथ हेल्ड हो, छात्र खुद कर सकेंगे ट्रैकिंग

डीएवीवी का एप शुरू: 24 घंटे से तीन दिन में हल होंगी समस्याएं, एक क्लिक पर पता चलेगा डिग्री बनी या नहीं?

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से संबद्धता प्राप्त 250 कॉलेजों व 34 टैचिंग विभागों के द्वाइं लाख छात्रों की डिग्री, मार्कशीट, माइग्रेसन आदि से जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान अब एक क्लिक पर मिल जाएगा। बुधवार को यूनिवर्सिटी ने छात्रों की शिकायतों के ऑनलाइन समाधान के लिए डीएवीवी ई-समाधान एप लांच किया है। खास बात यह है कि डीएवीवी ने वेबमाइट पर इसके लिए एक लिंक भी भेज दी है। छात्र क्यू आर कोड के जरिये इसे डाउन लोड कर सकेंगे। डीएवीवी ने तय किया है कि जो भी छात्र एप पर शिकायत करेंगे, वह 24 घंटे से लेकर 3 दिन में हल की जाएगी।

अगर इससे ज्यादा देरी होगी तो छात्र ऑनलाइन ट्रैकिंग के जरिये स्थिति पता कर सकेंगे। छात्रों को पता चल सकेगा कि उनकी शिकायत का समाधान अगर नहीं हुआ है तो क्यों? कब तक होगा और क्या तकनीकी दिक्कत आ रही है? डीएवीवी ने ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में एप लांच किया। इसमें कुलपति प्रो. राकेश सिंघई, रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष हर्ष चौहान, सीआरआईएसपी आईटी सेंटर के हेड संदीप जैन, रजिस्ट्रार प्रवीण शर्मा व डीएवीवी के एजाम कंट्रोलर प्रज्वल खरे भी मौजूद थे।



एप खुलते ही ऐसे दर्ज होगी शिकायत

- शिकायत की तारीख:
- छात्र का नाम:
- शिकायत की श्रेणी (उदाहरण के लिए परीक्षा, रिजल्ट, डिग्री या माइग्रेसन संबंधी)
- शिकायत की उपश्रेणी (अगर रिजल्ट से संबंधित है तो रिव्यू या रिक्वेयूएशन आदि)
- शिकायत का विषय
- शिकायत का विवरण
- क्या यह शिकायत किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर दर्ज की गई है? और अंत में
- सहायता टीम द्वारा जवाब

ये सारी शिकायतें कर सकेंगे छात्र

छात्र डिग्री, मार्कशीट, डुप्लिकेट मार्कशीट, माइग्रेसन, मिस प्रिंट ऑफ मार्कशीट, रिजल्ट विथ हेल्ड होने, रिजल्ट में देरी, आउट ऑफ सिलेबस परचा आने से लेकर रिव्यू के नियंत्रक डॉ. अरोप तिवारी कहते हैं कि छात्रों की शिकायतों का समाधान 24 से लेकर 72 घंटे तक करने का पूरा प्रयास करेंगे। एक पूरी टीम काम करेगी। भविष्य में होस्टल से संबंधित, लाइब्रेरी व लेब आदि से संबंधित शिकायतों का भी समाधान हो सकेगा।

ऐसे होगा समाधान

छात्र के शिकायत करते ही मोबाइल पर एक एसएमएस आएगा। उस पर जो लिंक होगी, उसके जरिये छात्र शिकायत के समाधान की ट्रैकिंग कर सकेंगे। कुलपति प्रो. राकेश सिंघई का कहना है कि छात्रों को कई बार छोटी-छोटी शिकायतों के समाधान के लिए बहुत दूर से आना पड़ता है। कई बार अगर कोई कर्मचारी या जिम्मेदार छुट्टी पर होता है तो और ज्यादा दिक्कत होती है। लेकिन अब यह एप छात्रों की हर परेशानी का समाधान करेगा। इसकी बहुत मजबूती से मॉनिटरिंग होगी।

जॉब लिस्टिंग

कुल पद 972

• पंजाब नेशनल बैंक
पोस्ट: लोकल बैंक ऑफिस
750 वेतनमान
कुल पद 48480-85920 रु.

• आवेदन: 1 दिसंबर तक
• पात्र: यूजी
www.pnb.bank.in

• गुजरात कृषि विवि
पोस्ट: कृषि सहायक
158 वेतनमान
कुल पद 26000 रुपए

• आवेदन: 12 दिसंबर तक
• आयु: 18 से 33 साल
www.aau.in

• हिंदुस्तान कॉपर
पोस्ट: जूनियर मैनेजर
64 वेतनमान
कुल पद 30000-120000 रु

• आवेदन: 17 दिसंबर तक
• पात्र: बीई/बीटेक व अन्य
hindustancopper.com

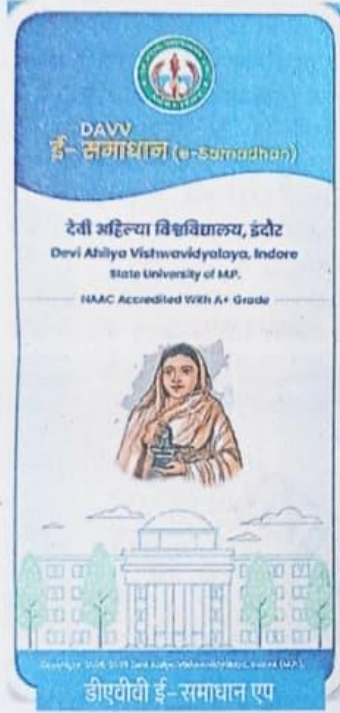
डीएवीवी का ई-समाधान एप लांच घर बैठे दर्ज करवा सकेंगे शिकायत

सुविधा ● एप्लीकेशन के माध्यम से परीक्षा-रिजल्ट से लेकर रैगिंग तक का होगा समाधान

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब मार्कशीट, माइग्रेशन, ट्रांसक्रिप्ट, होस्टल समस्याओं और रैगिंग सहित शिकायतों के लिए बार-बार विश्वविद्यालय नहीं आना पड़ेगा। न ही उन्हें अधिकारियों के चक्कर लगाने होंगे। विश्वविद्यालय ने बुधवार को अपना विशेष मोबाइल एप 'डीएवीवी ई-समाधान' लांच कर दिया है, जिसके माध्यम से छात्र-छात्राएं घर बैठे ही सभी तरह की शिकायतें दर्ज कर सकेंगे। यह एप परीक्षा परिणामों और संबंधित दस्तावेजों से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए बनाया गया है।

विद्यार्थी इसे विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट और गूगल प्ले स्टोर से निशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। खास बात यह है कि डीएवीवी प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है जिसने अपना स्वयं का शिकायत-निवारण मोबाइल एप तैयार किया है।

जुलाई से चल रहा था ट्रायल : विश्वविद्यालय ने जुलाई में आईटी कंपनी की मदद से ई-समाधान एप तैयार कर लिया था। ट्रायल के दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारी स्वयं इसमें शिकायतें दर्ज कर रहे थे, ताकि एप के कामकाज की क्षमता की जांच की जा सके। इस परीक्षण में 90 प्रतिशत समस्याओं का समाधान सफलतापूर्वक किया गया। कुछ तकनीकी त्रुटियां सामने आईं, जिन्हें आईटी कंपनी ने सुधारकर नवंबर में अंतिम रिपोर्ट सौंप दी। बुधवार को आयोजित समारोह में एप का औपचारिक शुभारंभ कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई ने किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष हर्ष चौहान, आईटी कंपनी के निदेशक अमोल



सात दिनों में समाधान अनिवार्य

- विश्वविद्यालय ने प्रत्येक प्रकार की शिकायत के लिए समय सीमा निर्धारित की है।
- संबंधित विभाग को तीन दिन के भीतर प्रारंभिक समाधान देना होगा।
- सात दिनों के भीतर शिकायत का पूर्ण निपटारा कर उसे बंद करना अनिवार्य होगा।
- कुलगुरु स्वयं हर महीने ई-समाधान पर दर्ज शिकायतों की समीक्षा करेंगे।

वैद्य, आईटी सेंटर प्रभारी संदीप जैन, प्रवीण शर्मा, रजिस्ट्रार प्रज्वल खरे और परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी

चार-स्तरीय प्रक्रिया में होगा समाधान

एप पर दर्ज शिकायतों का निपटारा इन स्तरों में किया जाएगा

1. पहला और दूसरा स्तर: विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी शिकायत का समाधान करेंगे।
2. यदि छात्र असंतुष्ट हों तो शिकायत कुलगुरु और रजिस्ट्रार तक पहुंचेगी।
3. तय समयसीमा में समाधान अनिवार्य होगा, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी।



इन शिकायतों का होगा समाधान

- शिक्षण पद्धति व प्रणाली से संबंधित समस्याएं।
- नामांकन में देरी।
- सीनियर द्वारा रैगिंग।
- होस्टल में पानी, सुरक्षा एवं अन्य समस्याएं।
- मेस में खराब भोजन।
- कैम्पस में सुरक्षा की कमी।
- मूल्यांकन की त्रुटियां।
- मार्कशीट, माइग्रेशन और ट्रांसक्रिप्ट में देरी।
- शैक्षणिक संस्थानों व होस्टल में सफाई की समस्या।
- परिणाम जारी न होना या परिणाम से असंतुष्टि।

आठ लाख विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

डीएवीवी के 30 यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) और 160 सरकारी-निजी महाविद्यालयों में अध्यक्षमरत लगभग आठ लाख विद्यार्थी इस एप का लाभ उठा सकेंगे। दूरदराज के जिलों के छात्रों के लिए यह एप बड़ी राहत साबित होगा, क्योंकि अब उन्हें छोटी-छोटी समस्याओं के लिए इंदौर आने की आवश्यकता नहीं होगी।



उपस्थित थे। कुलगुरु डा. सिंघई का कहना है कि समाधान एप्लीकेशन पर दर्ज शिकायत को लेकर प्रत्येक

ऐसे काम करेगा ई- समाधान एप

- विद्यार्थी अपने मोबाइल में एप डाउनलोड करेंगे।
- संबंधित विभाग चुनकर शिकायत दर्ज करेंगे।
- आवश्यकता होने पर दस्तावेज अपलोड किए जाएंगे।
- शिकायत को छह घंटे के भीतर संबंधित विभाग को भेज दिया जाएगा।
- समाधान से पहले कर्मचारी विद्यार्थियों से आवश्यक चर्चा करेंगे।
- तीन स्तर पर अधिकारियों को एप की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

अपडेट की सूचना विद्यार्थियों को एमएसएस और ई-मेल पर दी जाएगी।

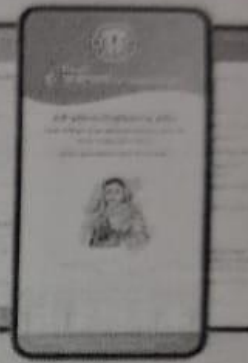
शि
रि

नईदुनि
मुख्य
साइड
खटाव
शिवा
राहत
दुकान
नहीं
चाहे
लिए
अधि
सकत
बाद
दुकान
शिफ्टि
ना
हटाक
विका
दशव
तहत
नंदल
जान
लाट
दुका
विरो

तं
ति

इंदौर
शाल
शास
कला
तंबा
अंत
आये
यशो
तंबा
बोमा
दौरा,
किया
तंबा
निय
उन्हें
दूसरों
बारे
दिला
तंबा
के बा

In a first, DAVV launches app to address student grievances online



DAVV vice chancellor Prof Rakesh Singhai launches mobile app 'e-Samadhan' at auditorium on Wednesday

Our Staff Reporter

INDORE

Students of Devi Ahilya Vishwavidyalaya (DAVV) will no longer have to make repeated visits to the university campus to get resolved issues related to marksheets, migration and transcripts, hostel matters and file ragging complaints.

In a first in the state, the DAVV has launched a mobile application named "e-Samadhan" to help students register their grievances from the comfort of their homes.

The new app, officially inaugurated on Wednesday by vice chancellor Prof Rakesh Singh, aims to provide quick solutions to common academic and administrative problems, especially those related to exam results and issuance of academic documents. The application is now available for download on the university's official website and the Google Play Store. With this launch, DAVV has become the first university in the state to de-

Resolution within seven days

DAVV has set a strict timetable for the closure of every complaint. Departments must offer a preliminary solution within three days and each case must be fully resolved and closed within seven days. The VC will personally review the grievance data recorded in the app every month.

Major relief for students

Nearly 800,000 students enrolled in university teaching departments and around 200 affiliated government and private colleges under DAVV will benefit from the app. The feature is especially helpful for students from remote districts who previously had to travel to Indore even for small issues. Now, they can conveniently submit complaints through their mobile phones.

on the app in July with the assistance of Centre for Research and Industrial Staff Performance (CRISP). Initially, only university officials and staff used it to test its functionality. About 90 per cent of the issues reported during the trial were successfully resolved, while a few technical glitches identified were corrected before the final rollout. The CRISP submitted its full report in November.

The launch event was attended by former chairman of the National Commission for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Harsh Chauhan as chief guest, CRISP director

Amol Vaidya, Sandeep Jain, Praveen Sharma, DAVV registrar Prajwal Khare, and exam controller Dr Ashesh Tiwari.

//Four-tier grievance resolution system

Complaints registered on the e-Samadhan app will be addressed in four stages. In the first two stages, departmental officers and staff will attempt to resolve the matter. If the student is not satisfied, the issue will escalate to the vice chancellor and registrar. All grievances must be resolved within the prescribed timeframe, falling which action will be taken against the responsible officials.

Galaxy A17 5G

The university began work